Report

On

Swachhta Pakhwada

16-31 October 2016

Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwa Vidyalaya

KRISHI VIGYAN KENDRA, DATIA (M.P.)-475661

Phone: 07522-2800840, Website: kvkdatia.com, Email: datiakvk@rediffmail.com, kvkdatia@gmail.com

SUMMARY OF SWACHHATA PAKHWADA (16-31 October 2016)

S.No.	Targeted Beneficiaries	Name of Events	Number of Events	Off/On Campus (Venue)	No. of Participants	Salient Achievement
1.	Practicing Farmers	World Food Day, Soil Health Camp, Krishak Sangoshthi	06	**Off Campus-** Patharia Tatarpur, Banoli, Sitapur, Behruka, Kalipura, Kakraua	341	Management of Biodegradable waste as wealth for Agriculture with cleanliness
2.	Farmwomen	Self Help Group Meeting	02	**Off Campus-** Dera Gandhari, Mama Ka Dera	113	Importance of Cleanliness in home and surrounding street and village
3.	Rural Youths	Bio- Waste Management Programme	02	**On Campus**	107	Income and employment generation through Bio waste management
4.	Students	Railly, Awareness Campaign, Speech Competition	04	**Off Campus-** Sanora, Udgawan, Raruajeevan	450	Awareness about cleanliness of home, school and surrounding area
5.	Extension Officers	Seminar, Workshop	02	**On Campus**	109	Motivation and awareness for popularization of cleanliness through their activities
	Total		**16**		**1120**	

ADDITIONAL WORK ON SWACHHATA MISSION DURING THE YEAR 2016

S.No.	Targeted Beneficiaries	Name of Events	Date	Number of Events	Off/On Campus (Venue)	No. of Participants	Salient Achievement
1.	Students	Swachhata Railly	09.08.2016	01	**Off Campus-** Chitwa	90	Awareness regarding cleanliness of school and village
2.	Students and Farmers	Swachhata Diwas	02.10.2016	01	**Off Campus-** Pathara	112	Awareness regarding cleanliness of school and village
	Total			**02**		**202**	

Krishi Vigyan Kendra Datia conducted 16 number of programme during swachhata pakhwada in 14 different villages of Datia district and KVK Campus. The Scientists, Principle Scientists, Head of ICAR institution, District administration Officers of Agriculture and allied department were participated as guest during the different programmes. Total 1120 participants including farmers, farmwomen students and extension personals were participated in these programmes. The major emphasis during the Pakhwada was given on the cleanliness and sanitation activities with management of bio wastes to produce quality organic manure and other best management practices to resilience climatic variability. During the programmes different aspects on cleanliness and sanitation had been approached to create awareness and positive thinking about the cleanliness.

ग्वालियर, बुधवार 2 नवंबर, 2016 13 दैनिक भास्कर

कृषि विज्ञान केंद्र ने 14 गांव में मनाया स्वच्छता पखवाड़ा

लोगों को साफ सफाई के प्रति किया जागरूक

भास्कर संवाददाता | दतिया

भारत स्वच्छता मिशन के तहत कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा 16 से 30 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया गया। पखवाड़े के तहत ततारपुर, बानौली, सीतापुर, बहरूका, सनौरा, ररूआजीवन, उदगवां, डेरा गंधारी, कालीपुरा, मामा का डेरा, ककरूआ व कृषि विज्ञान केंद्र पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में विश्व खाद्य दिवस, मृदा स्वास्थ्य शिविर, फसल संगोष्ठी, कृषक संगोष्ठी, विद्यालयों में भाषण प्रतियोगिता, विद्यालय के छात्रों के साथ गांव में स्वच्छता पर रैली, महिला समूह की बैठक, कृषि विस्तार अधिकारियों की ग्रामीण स्वच्छता पर कार्यशाला व सेमिनार आदि आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में कृषक, कृषक महिलाओं, विद्यार्थियों ने भाग लिया।

ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में घरेलू, खेत एवं पशुशाला से प्राप्त जैविक कचरे से बहुमूल्य कम्पोस्ट बनाने की तकनीक बताई, इससे जैविक कचरे के निपटान, आसपास सफाई, प्राप्त कम्पोस्ट को खेतों में उपयोग से उर्वरा शक्ति बढ़ाकर उत्पादन वृद्धि कर की सलाह, अधिक से अधिक शौचालय बनवाने, खुले में शौच न जाने, खाने के पहले हाथ धोने, घर, गली, मोहल्ला, गांव, स्वच्छ रखने हेतु जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को सफाई का महत्व बताया गया। स्वच्छता से जलवायु परिवर्तन के विपरीत प्रभाव से कैसे बचा जा सकता है।

कृषि एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को कहा गया कि वह ग्रामीणों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करें। जैविक खेती को बढ़ावा दें। गांव में जैविक कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूकता पैदा करें ताकि जैविक कचरे के सड़ने से हरित गृह प्रभाव गैसों का उत्सर्जन कम हो ताकि जलवायु परिवर्तन से विपरीत प्रभाव से फसल एवं पशुओं को बचाया जा सके।

इन कार्यक्रमों में भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र के अध्यक्ष डा. आरएस यादव, कृषि तकनीक अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान जबलपुर वैज्ञानिक डॉ. तुषार अगारे, कृषि उप संचालक आरके गनेशे, जिला समन्वयक दिनेश उपरैया, भारतीय जल एवं मृदा अनुसंधान केंद्र संस्थान प्रधान डॉ. एसपी तिवारी, सहायक संचालक उद्यान एसके सिंह, जीएस गोरख मौजूद रहे।

गांव में झाड़ू लगाकर स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करते कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक।

News paper coverage of overall achievement of Swachhata Pakhwada (16 – 31 October 2016)

Swachhata Pakhawada report (Dated 16-31 October, 2016)

Day and Date	Name of event	Description of event
Sunday/ 16.10.2016	**Event :** World Food Day **Theme:** Mitigation from climate change by management of Bio waste. **Key Speaker:** Dr. R. K. S. Tomar, Senior Scientist and Head **Venue:** Village Patharia Tatarpur **Type of Participants:** Scientist, Farmers / Farm women, Sarpanch and Secretary of the village. **No. of Participants :** 63	During the programme awareness was created among the farmers about • Recycling of wastes through preparation of compost by vermi compost, NADEP and pit method. • Rain water harvesting for recycling and ground water recharge • Promotion of Agro-forestry for carbon sequestration • Create awareness to stop burning crop residue. • Create awareness to use of cow dung in Bio gas. • Sanitation of House street and village
Parameters covered: Bio degradable waste management, Water conservation, uses of eco-friendly technologies, House keeping cleanliness in village, street, animal shed.		

Participation of Farmers and Scientists in World Food Day

ग्वालियर, सोमवार 17 अक्टूबर, 2016 | 14 दैनिक भास्कर

खेतों में करें पौधरोपण, कचरे से बनाएं खादः डॉ. तोमर

ग्राम पथरिया ततारपुर में मना विश्व खाद दिवस

भास्कर संवाददाता | दतिया

जलवायु परिवर्तन का असर मानव जीवन के साथ फसलों पर भी पड़ रहा हैं। यह ग्लोबल वार्मिंग के कारण हो रहा हैं। किसान खेतों में फसलों के अवशेषों को आग न लगाएं, उससे कार्बन डाईऑक्साईड गैस पैदा होती है। खुले में गौबर या पशुओं के खाना के सड़ने से मीथेन गैस। गांव में कचरा होने से मच्छर व कीटाणु पैदा होते हैं।

इससे बीमारियां फैलती हैं। इसलिए किसान गोबर से खाद बनाएं। फसल के अवशेषों की खेत में की गुड़ाई कर दें। यह बात कृषि विज्ञान केन्द्र के जिला समन्वयक डॉ. आरकेएस तोमर ने कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच हरिसिंह ने की।

वह रविवार को ग्राम पथरिया ततारपुर में विश्व खाद्य दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के कारण खाद्य आपूर्ति चैलेंज के रूप में सामने आ रही है। ऐसे में जलवायु परिवर्तन के दौर में फसलों की पैदावार भी चैलेंज है। डॉ.बीएस कंसाना ने किसानों को कचरे व गोबर से खाद बनाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इससे रासायनिक खादों का उपयोग कम होगा। खेतों की उर्वरक क्षमता बढ़ेगी। डॉ.वायसी रिखाड़ी ने ग्रामीणों को शौचालय बनवा कर गांव को स्वच्छ रखने की अपील की। उन्होंने भोजन से पूर्व हाथ धोने की सलाह देते हुए इससे होने वाले फायदों की जानकारी दी।

नईदुनिया 17
ग्वालियर, सोमवार 17 अक्टूबर 2016

आयोजन स्वच्छता अभियान पखवाड़े के तहत विश्व खाद्य दिवस पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कंडों का उपयोग करने की जगह गोबर गैस को दें प्राथमिकता

दतिया। नईदुनिया न्यूज

[illegible]

patrika.com
पत्रिका . ग्वालियर . सोमवार. 17.10.2016

'अधिक पौधे लगाएं ग्रामीण'

कार्यक्रम...... ग्रामीणों को संबोधित करते कृषि वैज्ञानिक।

दतिया @ पत्रिका. जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा का अनियमित वितरण, तापमान वृद्धि, अत्याधिक ठंड, पाला, ओला के कारण फसल, उद्यानिकी, पशुपालन व मानव जीवन पर विपरीत प्रभाव देखा जा रहा है। ... परिवर्तन के ...

ततारपुर में आयोजित कार्यक्रम में कृषकों के बीच कही। उन्होंने बताया कि धान व गेहूं के अवशेष खेत में जलाना, गोबर के कंडे बनाकर जलाने से कार्बनडाई ऑक्साइड व घरेलू कचरा, जानवरों का जूठन, भूसा, फसलों के अवशेष का

News Paper Coverage of World Food Day programme

Monday/ 17.10.2016	**Events :** Cleanliness through Soil health management **Theme:** Soil health management through locally available bio waste **Key Speaker:** Dr. Savita Kumari, PA, Soil Science and Agriculture Chemistry **Venue:** Village Banoli **Type of Participants:** Scientist, Farmers / Farm women, Sarpanch and Secretly of the village **No. of Participants :** 58	During the programme awareness was created among the farmers about • Use of organic manure in crop production to maintain soil fertility • Create awareness for Soil test value based application of fertilizers • Create awareness to stop the burning of crop residue • Do not dump the bio waste in village and street. • Use of all bio waste in compost pit for proper decomposition.
Parameters Covered: Bio degradable waste management, Soil Health management, Uses of eco-friendly technologies for soil fertility management, cleanliness in village, street, animal shed and fields.		

Method demonstration of soil sample collection

Farmers Scientists interaction on soil health management and cleanliness

शुक्रवार, 21 अक्टूबर, 2016 दैनिक भास्कर

मिट्टी परीक्षण बेहद जरूरी

दतिया | खेत की मिट्टी का परीक्षण आज की जरूरत है। इससे मिट्टी के तत्वों की जानकारी लग जाती है। इस जानकारी के आधार पर हम उन तत्वों की पूर्ति कर सकते है। ताकि पैदावार अच्छी हो। यह बात कृषि विज्ञान केन्द्र की वैज्ञानिक डॉ.सविता कुमारी ने कही। वह ग्राम बानौली व सीतापुर में मिट्टी नमूना एकत्रीकरण व स्वास्थ्य प्रबंधन शिविर को संबोधित कर रहीं थी। डॉ. अवधेश सिंह ने किसान को मिट्टी व ऊसर जमीन में सुधार की जानकारी दी।

News paper coverage on cleanliness through soil health management

Tuesday/ 18.10.2016	**Events :** Soil Health Management camp **Theme:** Management of Bio waste for soil fertility enhancement **Key Speaker:** Dr. Savita Kumari, PA, Soil Science and Agriculture Chemistry **Venue:** Village Sitapur **Type of Participants:** Scientist, Farmers/Farm women, Sarpanch and Secretary of the village **No. of Participants :** 42	During the programme awareness was created among the farmers about • Making of vermi compost by using crop residue + cow dung • Stop making of cake from cow dung • Create awareness about INM technology in crop production • Use of cow dung in bio gas and vermin compost
Parameters Covered: Bio degradable waste management, Soil Health management, Uses of eco-friendly technologies for soil fertility management, cleanliness in village, street, animal shed and fields.		

Farmers Scientists interaction on soil health management and cleanliness

Method demonstration of soil sample collection

Wednesday/ 19.10.2016	**Events :** Krishak Sangosthi- Cleanliness and sanitation aspects of crop production **Theme:** Mitigation of adverse effects of climate change through reducing Green House Gases. **Key Speaker:** Dr. A. K. Singh, Scientist, Plant protection Dr. B. S. Kasana, Scientist, Agronomy **Venue:** Village Behruka **Type of Participants:** Scientist, Farmers / Farm women, Sarpanch of the village **No. of Participants :** 69	During the programme awareness was created among the farmers to reduce the effect of Green House Gases • Stop burning of crop residue • Proper Maintenance of tractor and diesel pumps • Proper management of domestic animals and crop waste materials through making compost. • Integration of Organic manures with chemical fertilizers. • Use of bio pesticide to control disease and pest. • Cleanliness and Sanitation of village
Parameters Covered: Identification of activity/ factors causing creation of dirt/ garbage, After identification of the factor- the system adapted to maintain periodical cleaning, preventive measures taken and monitoring of practice, uses of eco-friendly technologies		

Farmers Scientists interaction on Factors causing dirt and its management

Farmers Scientists interaction on best management practices

Thursday/ 20.10.2016	**Events :** Awareness camp for Rural Youths **Theme:** income and employment generation through Bio waste management **Key Speaker:** Dr. A. K. Singh, Scientist, Plant protection Dr. B. S. Kasana, Scientist, Agronomy **Venue:** KVK Datia **Type of Participants:** Scientist and Rural Youth **No. of Participants :** 54	During the programme awareness was created among the rural youths to • Management of cow dung and crop residue in compost making. • Opportunities for income and employment generation through Bio waste management • Awareness for housekeeping, village cleaning, and sanitation • Popularization of Yoga for maintaining discipline and punctuality in rural youth • Awareness to construction and use of toilets.
Parameters Covered: Step taken to awareness for positive thinking, Yoga, punctuality and regularity, Bio waste management and cleanliness of panchayat bhawan, schools, aaganbadi		

Interaction of Rural youth on positive thinking, Yoga, punctuality and regularity, Bio waste management

Cleaning of KVK Campus by KVK Scientists team with Rural youths

Friday/ 21.10.2016	**Events :** Speech competition of students of Govt. High school, Sanora, Datia **Theme:** Importance of rural sanitation. **Key Speaker:** Students of Govt High school Sanora **Venue:** Govt. High school Sanora Shri Siyasharan Sharma Ji, Senior Citizen of the village **Type of Participants:** Students, teachers, farmers, Scientist **No. of participants:** 101	• During the programme speech competition was organized among the students of high school to create awareness about village cleanliness • Oath was taken up by all students, teachers and farmers other members presented in the programme to participate in cleaning of their village and surroundings. • Motivation of students to use the toilets and also convence their parents to construct toilets, hand wash, clean dress up. • Prize and certificate distributed to winners students of speech competiotion.
Parameter Covered: House keeping, cleanliness of office/ school buildings, class rooms, labs, campus, punctuality, regularity and discipline, Yoga/health/ positive thinking.		

Oath taken up by students, teachers, Scientists and farmers for Cleanliness

Speech of students on village sanitation

Prize distribution to winner students in speech competition

Address of chief guest Shri Siya Sharan Sharmaji (A senior citizen of the village)

ग्वालियर, शनिवार 22 अक्टूबर, 2016 | 16 दैनिक भास्कर

कार्बन डाई ऑक्साइड के प्रभाव रोकने के लिए करना होगा अधिक पौधरोपण

स्वच्छता पखवाड़े के तहत बच्चों ने दिए भाषण

भास्कर संवाददाता | दतिया

प्रतियोगिता में विजयी छात्र को पुरस्कृत करते कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक।

जलवायु परिवर्तन हो रहा है। असमय वर्षा होना, अधिक तापमान बढ़ना, अधिक सर्दी और अधिक गर्मी से, हमारे वातावरण, पारिस्थितिक, पेड़-पौधों, जीव-जंतुओं को नुकसान हो रहा है। पूरे विश्व में गर्मी बढ़ रही है। जिसका कारण ग्रीन हाउस गैसेस-कार्बन डाई आक्साईड, मीथेन, कार्बन मोनो आक्साईड की सांद्रता वातावरण में बढ़ रही है। कार्बन डाई-ऑक्साईड गैस को वातावरण अधिक बढ़ने से रोकना होगा। इसलिए हमें कचरा, गोबर, आदि से खाद बनाना चाहिए। बाग-बगीचे एवं जंगलों में पेड़-पौधों की कटाई को रोकना होगी। तभी हम समाज को स्वच्छ भारत का निर्माण कर सकते हैं। यह बात कृषि वैज्ञानिक डॉ आरकेएस तोमर ने शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल सनीरा में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में बच्चों से कही।

स्वच्छ भारत अभियान के कृषि विज्ञान केंद्र स्वच्छता पखवाड़ा मना रहा रहा है। इसी के तहत इन स्कूलों में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों ने अपने अपने भाषणों के माध्यम से बताया कि घर में पानी एकत्र नहीं होने चाहिए, हमें एलपीजी गैस का उपयोग करना चाहिए। जानवरों का गोबर एवं साफ-सफाई तथा कूड़ा, कचरा एक गड्ढे में एकत्र करना चाहिए और घर के आसपास तथा स्कूल के आसपास साफ-सफाई करना चाहिए, जिससे बीमारी से बचाव किया जा सके। शौचालय की साफ-सफाई रखना चाहिए, नाखून, बाल की सफाई रखें। जल को प्रदूषण मुक्त रखें। तथा साफ-सुथरे कपड़े पहने। रास्ते में गंदे पानी को ठहरने नहीं देना चाहिए। इससे मच्छर पनपते हैं और बीमारी को बुलावा देते। गोबर आदि का खाद, गोबर गैस प्लांट का उपयोग करें। इत्यादि शर्ते छात्र-छात्राओं ने व्यक्त की। साथ ही छात्र-छात्राओं ने पौधरोपण भी जोर दिया। इस मौके पर डॉ. डीआर करौठिया ने गांव के सरपंच एवं सचिव से अनुरोध किया कि स्कूल के आसपास जो ग्राम के घूरे एवं कंडा बनाने का कार्य किया जा रहा है। उसे रोका जाए, जिससे हमारे छात्र-छात्राओं को बीमारी से बचाया जा सके। कार्यक्रम के अंत में भाषण प्रतियोगिता में प्रथम रही छात्रा सविता कुशवाहा, द्वितीय शिवानी, तृतीय नीतेश शर्मा, चतुर्थ पर अभिषेक पंचम स्थान पर रहे अभिनव द्विवेदी को पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही सभी बच्चों ने प्रतिदिन स्नान करके ही स्कूल आने और अपने घर के आसपास एवं स्कूल में सफाई रखने की शपथ ली। अंत में आभार कृषि वैज्ञानिक वायसी रिखाड़ी ने व्यक्त किया। इस मौके पर स्कूल के प्रधानाध्यापक राकेश सिंह तथा अरुण तिवारी, सुनील कुमार झा, डीआर करौठिया, राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, गुंजा भार्गव उपस्थित रहे।

patrika.com

पत्रिका . ग्वालियर . शनिवार . 22.10.2016

जलवायु परिवर्तन से हो रहा नुकसानः तोमर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते अतिथि।

दतिया. जलवायु परिवर्तन हो रहा है। असमय वर्षा होना, अधिक तापमान बढ़ना, अधिक ठण्डी अधिक गर्मी से हमारे वातावरण पारिस्थितिक पेड़ पौधों, जीव जंतुओं को नुकसान हो रहा है। हमें इसे रोकना होगा।

उक्त बात वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आरकेएस तोमर ने शासकीय माध्यमिक स्कूल एवं शासकीय प्राथमिक स्कूल ग्राम सनीरा में स्वच्छ भारत अभियान पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित ग्रामीण स्वच्छता पर भाषण प्रतियोगिता कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में गर्मी बढ़ रही है। जिसका कारण ग्रीन हाउस गैसें कार्बनडाई ऑक्साइड, मीथेन, कार्बन मोनो ऑक्साइड की सान्द्रता वातावरण में बढ़ रहा है। कार्बनडाई ऑक्साइड गैस को वातावरण में अधिक बढ़ने से रोकना होगा। इसलिए हमें कचरा, गोबर आदि से खाद बनाना होगा। बाग-बगीचे एवं जंगलों में पेड़ पौधें की कटाई को रोकना होगा। तभी हम समाज को स्वच्छ भारत का निर्माण कर सकते है। भाषण प्रतियोगिता में छात्र सविता कुशवाहा ने प्रथम, शिवानी ने द्वितीय, नीतेश शर्मा ने तृतीय, अभिषेक ने चतुर्थ एवं अभिनव द्विवेदी ने पंचम स्थान प्राप्त किया गया। जिन्हें पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं ने शपथ ली कि हम प्रतिदिन स्नान करके ही स्कूल आएंगे। हम अपने घर के आसपास एवं स्कूल में सफाई रखेंगे। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राकेश सिंह, अरुण तिवारी, सुनील कुमार झा, डीआर करौठिया, राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, गुंजा भार्गव, [illegible] पटेरिया, चन्द्रशेखर, डॉ. डीआर करौठिया आदि उपस्थित रहे।

News paper coverage of the programme

Saturday/ 22.10.2016	**(1) Events :** Swachhata Railly of the students of Govt. Primary school Raruajeevan **Theme :** Sanitation of village **Key Speaker:** Dr. Tushar Athare, Scientist, ATARI, Jabalpur **Venue:** Govt. primary school Raruajeevan Type of Participants: Scientist, Students, Teachers and Farmers/Farm women. **No. of Participants :** 98	• Swachhata railly by the students and teachers of Primary school Raruajeevan was organized under the programme to create awareness among villagers about cleaning in village. • Awareness was created about hand wash before meal, use of latrines, use of washed clothes etc. • Motivation of students to use the toilets and also convence their parents to construct toilets, hand wash, clean dress up.
Parameters Covered: House keeping, cleanliness of office/ school buildings, class rooms, labs, campus, punctuality, regularity and discipline, Yoga/health/ positive thinking.		

Railly of student in village for motivation of cleanliness

Scientists, farmers and teachers are cleaning the village street

Saturday/ 22.10.2016	**(2) Events :** Camp in school on rural sanitation of the students of Inter College Udgawa **Theme :** Importance of Rural sanitation **Key Speaker:** Dr. Tushar Athare, Scientist, ATARI, Jabalpur, Shri Dinesh Umraiya, Distt. Cordinator Jan Abhiyan Parishad. **Programme Partner :** Pragati Education Society (NGO) **Venue:** Inter College Udgawa **Type of Participants:** Scientist, Students, Teachers and Farmers/Farm women. **No. of Participants :** 200	• During the programme Scientists advised to students about cleanliness of school campus and personal cleanliness like hand washes, dressing washed clothes, use of latrines. • During the programme cleaning of school campus was done by students, scientists and teachers.
Parameter Covered: House keeping, cleanliness of office/ school buildings, class rooms, labs, campus, punctuality, regularity and discipline, Yoga/health/ positive thinking.		

Cleaning of School campus by students, Scientists and Teachers

Interaction of Chief Guest with students and other participants

patrika.com

पत्रिका . ग्वालियर . सोमवार. 24.10.2016

मौसम में परिवर्तन चिंता का विषय: तोमर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

स्वच्छता पखवाड़ा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते विशेषज्ञ।

दतिया. वर्तमान में मौसम परिवर्तन वैश्विक स्तर पर चिंता का विषय बन चुका है। कब पानी आएगा, कब जाएगा, कब ठंड पड़ेगी, कब गर्मी पड़ेगी किसी बात की कोई गारंटी नहीं है। मौसम परिवर्तन से समूचे विश्व के उद्योग, व्यापार व आम जनजीवन पर प्रभाव तो पड़ा ही है, पर इसका सबसे बड़ा प्रभाव किसान पर पड़ा है।

उक्त बात कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. आरकेएस तोमर ने प्रगति एजुकेशन वेलफेयर सोसायटी द्वारा गत दिवस इंटर कॉलेज उदगंवा में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत आयोजित स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में कही। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद दिल्ली के डॉ. तुषार अथारे, डॉ. योगेश चन्द्र रिखाड़ी, प्राचार्य आरपीएस कुशवाहा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक दिनेश उमरैया ने की। इस अवसर पर उमरैया ने कहा कि मानसिक स्वच्छता से होगी बाहरी एवं आंतरिक स्वच्छता, बाहरी गंदगी से व्यक्तिगत जीवन पर प्रभाव पड़ता ही है। साथ ही संपूर्ण वायुमण्डल भी प्रभावित हो रहा है। कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं को स्वच्छता की शपथ एवं विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। इस अवसर पर डॉ. सुरेन्द्र प्रताप दोहरे, हनुमंत सिंह यादव, आभा शर्मा, सीमा कुरेशी, निधि गुप्ता, मीनाक्षी गुप्ता, बद्री प्रसाद, नोनेन्द्र भगत, दीपक शर्मा, शिशुपाल चौहान, पातीराम बाल्मीकि आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संचालन संस्था संचालक राजपाल सिंह परमार ने किया।

ग्वालियर, रविवार 23 अक्टूबर, 2016 | 16

जागरूकता | कृषि वैज्ञानिक बोले-मौसम परिवर्तन से समूचे विश्व पर पड़ रहा प्रभाव

मौसम परिवर्तन चिंता का विषय

छात्र-छात्राओं ने ली स्वच्छता की शपथ

भास्कर संवाददाता | दतिया

उदगुंवा स्कूल में स्वच्छता पखवाड़े के तहत सफाई करते छात्र व शिक्षक।

वर्तमान समय में मौसम परिवर्तन वैश्विक स्तर पर चिंता का विषय बन गया है, कब पानी आएगा, कब जाएगा, कब ठंड पड़ेगी, कब गर्मी पड़ेगी, कोई निश्चित नहीं है। मौसम परिवर्तन से समूचे विश्व के उद्योग, व्यापार व आम जनजीवन पर प्रभाव तो पड़ ही रहा है। वहीं समाज पर इसका सबसे बड़ा प्रभाव पड़ रहा है।

यह बात कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरकेएस तोमर ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उदगुंवा में स्वच्छता पखवाड़े में कही। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. तुषार अथारे, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद दिल्ली डॉ. योगेशचंद्र रिखाड़ी, प्राचार्य आरपीएस कुशवाहा मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक दिनेश उमरैया ने की।

प्रगति एजुकेशन वेलफेयर सोसायटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में दिनेश उमरैया ने कहा कि मानसिक स्वच्छता से होगी बाहरी एवं आंतरिक स्वच्छता, बाहरी गंदगी से व्यक्तिगत जीवन पर प्रभाव पड़ता ही है, साथ ही संपूर्ण वायुमंडल भी प्रभावित हो रहा है। अंत में छात्र छात्राओं को स्वच्छता की शपथ एवं विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। इस मौके पर स्कूली बच्चों के साथ अतिथियों ने विद्यालय परिसर की साफ सफाई की।

कार्यक्रम का संचालन संस्था संचालक राजपाल सिंह परमार ने किया। इस अवसर पर डॉ. सुरेंद्र प्रताप दोहरे, हनुमंत सिंह यादव, आभा शर्मा, सीमा कुरैशी, निधि गुप्ता, मीनाक्षी गुप्ता, बद्री प्रसाद, मीनेंद्र भगत, दीपक शर्मा, शिशुपाल चौहान, पातीराम बाल्मीकि सहित अन्य लोग मौजूद थे।

News Paper coverage of the programme

Sunday/ 23.10.2016	**(1) Events :** Meeting with women of self help group of village **Theme:** Importance of village sanitation in surrounding area **Key Speaker:** Dr. Awdhesh Singh, Scientist, Agri Economics **Venue:** Village Dera Gandhari **Type of Participants:** women of self help group, Farmers of village **No. of Participants :** 63	• During the programme a healthy discussion held among the scientists and women of self help group about cleaning of surrounding area of the home, safety of food materials, use of dung for compost making. • Awareness was created among the women to don't go for toilet in open area and use the latrines. • Awareness created about the housekeeping cleanliness, child care, animal shed, home street and village
Parameter Covered: Management of Bio degradable waste, stop cow dung cake, use of bio gas, lesser use of plastics, maintain periodical cleaning and preventive measure taken to health and hazzards.		

Cleaning of of village by Scientists and members of self Help Group

Interaction of Scientists and members of Self Help Group

patrika.com
पत्रिका . ग्वालियर . मंगलवार. 25.10.2016

गांव को रखें स्वच्छ, रहो स्वस्थ

स्वस्थ भारत अभियान पखवाड़ा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

दतिया. कृषि विज्ञान केन्द्र दतिया द्वारा स्वस्थ भारत अभियान पखवाड़ा के तहत गत दिवस ग्राम डेरा गंधारी में स्वच्छता पर महिला कृषकों का जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर डॉ. सविता कुमारी ने कृषक महिलाओं सहित छात्र-छात्राओं को जागरूक करते प्रतिदिन स्नान करें, स्वयं को साफ स्वच्छ रखें, अपने घर के आसपास, गलियों को साफ रखने, स्कूल परिसर को साफ स्वच्छ रखने, प्रत्येक घर में शौचालय बनवाने एवं खुले में शौच के लिए न जाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही गंदगी से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में बताया गया। साथ ही कहा कि आप सभी गांव व घर को स्वच्छ रखें और खुद स्वच्छ व स्वस्थ रहें। कार्यक्रम में आशा देवी, शासकीय माध्यमिक एवं प्राथमिक विद्यालय के एमआर भगत, राधाचरण ज्योतिशी, पंकज धाकड़, उदयभान सिंह सहित केन्द्र के वैज्ञानिकों ने स्वच्छता को लेकर जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. आरकेएस तोमर, डॉ. अवधेश सिंह, डॉ. एके सिंह, डॉ. वायसी रिखाड़ी, डॉ. तुसार अधारे वैज्ञानिक अटारी, आदिराम बघेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अवधेश सिंह ने सभी उपस्थित महिला कृषकों, कृषकों एवं छात्र-छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वच्छता के तहत गांव में झाड़ू लगाती महिलाएं।

20 नईदुनिया
ग्वालियर, सोमवार 24 अक्टूबर 2016

महिला किसानों को बताए स्वच्छता के लाभ

दतिया। स्वच्छ भारत अभियान पखवाड़ा के तहत कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा ग्राम ररूआ जीवन तथा डेरा गंधारी में ग्रामीण स्वच्छता पर छात्र-छात्राओं, कृषकों एवं महिला कृषकों को जागरूक किया गया। प्रतिदिन स्नान करने, स्वयं को साफ स्वच्छ रखने, अपने घर के आस-पास, गलियों को साफ रखने, स्कूल परिसर को साफ स्वच्छ रखने, प्रत्येक घर में शौचालय बनवाने एवं खुले में शौच के लिए न जाने के बारे में जानकारी दी गई। गन्दगी से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में महिला कृषक आशा देवी, शासकीय माध्यमिक एवं प्राथमिक विद्यालय के एमआर भगत प्रधानाध्यापक, राधाचरण ज्योतिषी, पंकज धाकड़, उदयभान सिंह किसान मित्र एवं केन्द्र के वैज्ञानिक जिन्होंने स्वच्छता पर जानकारी दी। उनमें डॉ. आरकेएस तोमर वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अवधेश सिंह, डॉ. एके सिंह, डॉ. वायसी रिखाड़ी, डॉ. सविता कुमारी तथा डॉ. तुसार अधारे, वैज्ञानिक अटारी, जबलपुर भी शामिल हुए।

News Paper coverage of the programme

Sunday/ 23.10.2016	**Events :** Orientation of Gram Prasfutan Samiti and Students of BSW organized by Jan abhiyan Parisad Datia **Theme:** Sanitation in Rural Area. **Key Speaker:** Dr. R. K. S. Tomar, Senior Scientist and Head **Venue:** Datia **Type of Participants:** students of BSW and members of Gram Prasfutan Samiti **No. of Participants :** 54	• During the programme Sensitize to relationship between rural cleanliness and climate change • Advised to members of samiti to create awareness in rural area for making manure through compost and vermi compost by using bio waste and prepared manure will be use in crop production. • Create awareness about discipline, punctuality and regularity and transparency of work. • Cleaning of village house, school, offices buildings.
Parameter Covered: Steps of transparency in work, punctuality, discipline and regularity in society members, housekeeping and cleanliness of office building, room, campus and residential areas.		

Interaction of Scientists and members of Gram Prasfutan samiti

patrika.com

पत्रिका . ग्वालियर . मंगलवार. 25.10.2016

कार्यक्रम...

'स्वच्छता के लिए प्रेरित करना हमारा दायित्व'

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

patrika.com

दतिया. लोगों को आसपास स्वच्छता के साथ शौचालय बनवाने और शौचालय का उपयोग करने के लिए प्रेरित करना हम सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है। अगर हम अपना सामाजिक दायित्व निभाएं तो क्षेत्र में स्वच्छता का वातावरण बनेगा। यह बात सीईओ जनपद पंचायत अजय सिंह ने जनअभियान परिषद के इंटर्नशिप कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कही।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक एक में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विज्ञान केंद्र प्रभारी डॉ आरकेएस तोमर ने की। डॉ तोमर ने कार्यक्रम में मौजूद बीएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राओं एवं प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष व सचिवों से कहा कि वह अपने क्षेत्र में लोगों को ज्यादा से ज्यादा जैविक खेती की ओर प्रेरित करें। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम और इससे कैसे बचें इस बारे में भी उपस्थित लोगों को बताया।

जिला समन्वयक जनअभियान परिषद दिनेश कुमार उमरैया ने जन अभियान परिषद द्वारा सामाजिक क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया।

ब्लॉक समन्वयक जन अभियान परिषद ज्योति गोस्वामी ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अखिलेश अहिरवार, राजेंद्र शर्मा, राकेश गिरि गोस्वामी, सरिता कच्छू, शत्रुघ्न सिंह बुंदेला, शंकर यादव, उमाशंकर विश्वकर्मा एवं मोहन साहू आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि।

News paper coverage of programme

Monday/ 24.10.2016	**Events :** Workshop of Extension Officers **Theme:** Sanitation of rural area **Key Speaker:** Shri R. K. Ganeshe, DDA Datia **Venue:** KVK datia **Type of Participants:** Dr. R. S. Yadav, Head, Dr. S. P. Tiwari, Principle Scientist ICAR-IISWC, DPD, ATMA, BTM, ATM, Coordinator of NFSM, and Rural Agricultural Extension Officer of the district. **No. of Participants:** 55	During the programme sensitize the extension personals to disseminate following technologies for cleanliness in rural areas • Create awareness about hazards of agriculture wastes • Use of these farm wastes to prepare organic manures by NADEP, vermi compost, Pit method. • Popularize the climate smart technology for carbon sequestration, rain water harvesting. • Promotion of best agronomic practices helps in cleanliness and sanitation. • Promotion of technology to reduce GHGs emission. • Promotion of conservation agriculture and resource conservation technologies. • Awareness creation for transparency in work, punctuality, regularity and discipline in extension personals. • Create awareness in Yoga and positive thinking. • Cleanliness of office buildings, rooms, labs and campus area.
Parameters Covered: Treatment of bio degradable wastes, Yoga and health, punctuality, discipline regularity, soil and water conservation, cleanliness and sanitation of the village.		

Interaction of Scientists and extension workers on village sanitation

Cleaning of KVK Campus by Scientists and extension workers

Tuesday/ 25.10.2016	**Events :** Seminar of Extension Officers **Theme:** Relation between agriculture production and rural sanitation. **Key Speaker:** Dr. R.S. Yadav, Head, ICAR-IISWC, Datia Shri Dinesh Umairia, DC Jan Abhiyan Parisad **Venue:** KVK datia **Type of Participants:** Scientist of ICAR-IISWC and KVK, Extension Officers, Agriculture, horticulture, veterinary, Krishi Upaj Mandi, MP Agro and Fisheries **No. of Participants:** 54	• During the programme all speakers of the programme advised to the extension personnel to create awareness about use of bio wastes in farming. • They were also advised to create awareness to stop burning of farm waste which creates adverse effects to environment. • A healthy discussion held during the programme on how farmers can be aware about the cleanliness of surroundings, how they can aware for the use of latrines for toilet. • Extension workers can also sensitize to motivate farmers about sanitation and cleanliness of the village.
Parameters Covered: Treatment of bio degradable wastes, Yoga and health, punctuality, discipline regularity, soil and water conservation, cleanliness and sanitation of the village.		

Interaction of Scientists and extension workers on village sanitation

Cleaning of KVK Campus by Scientists and extension workers

ग्वालियर, बुधवार 26 अक्टूबर, 2016 | 16 दैनिक भास्कर

स्वच्छ भारत के लिए लोगों की सोच बदलना जरूरी: उमरिया

ग्रामीण स्वच्छता पर सेमीनार आयोजित

भास्कर संवाददाता | दतिया

जब तक लोगों की सोच में परिवर्तन नहीं होगा। स्वच्छ भारत की कल्पना कठिन है। हमें लोगों की सोच बदलनी होगी। व्यावहारिक जीवन में सभी कुछ बदल गया है। जब तक लोग शौचालय की जरूरत महसूस नहीं करेंगे। शौचालय नहीं बनेंगे। बिना पानी के स्वच्छता की कल्पना नहीं की जा सकती है। यह बात जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक दिनेश कुमार उमरिया ने कही। वह कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित ग्रामीण स्वच्छता सेमीनार में अध्यक्षीय उदबोधन दे रहे थे।

कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ. आरकेएस तोमर ने कहा स्वच्छता कहीं न कहीं वातावरण को प्रभावित कर रही है। गंदगी से गैस का उत्सर्जन हो रहा है। वर्तमान में कार्बनडाई आक्साइड का स्तर 290 पीपी.एम से बढ़कर 400 पीपीएम है। मीथेन गैस का स्तर 1.8 पीपीएम है। गैस से जलवायु परिवर्तन के कारण तूफान, अधिक आकस्मिक वर्षा, अत्यधिक गर्मी, कहीं-कहीं बाढ़ के प्रकोप देखे जा रहे हैं। केंद्रीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान के केंद्र प्रमुख डॉ. आरएस यादव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन अमीरी गरीबी में भेद नहीं करता है। लोगों को जागरूक होना होगा। केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एसपी तिवारी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण हो चुका है। हमें कचरा व उर्वरक प्रबंधन पर ध्यान देना होगा। इससे प्रदूषण को रोका जा सकता है। सेमीनार में कृषि विस्तार अधिकारी, उद्यान विभाग, मत्स्य विभाग, पशुपालन एवं पशुचिकित्सा के क्षेत्रीय कार्यकर्ता एवं एमपी एग्रो, कृषि उपज मण्डी, जन अभियान परिषद एवं जिला सहकारी बैंक के कार्यकर्ता सेमीनार में शामिल रहे।

26 नईदुनिया
ग्वालियर, बुधवार 26 अक्टूबर 2016

किसान कम समय में ज्यादा फसलें उगाएं

दतिया। नईदुनिया न्यूज

सेमीनार को संबोधित करते अतिथि।

कृषि विज्ञान केन्द्र दतिया पर मंगलवार को कृषि विस्तार अधिकारियों, उद्यान विभाग, मत्स्य विभाग, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा के क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं एवं एमपी एग्रो, कृषि उपज मण्डी, जन अभियान परिषद एवं जिला सहकारी बैंक के कार्यकर्ताओं का सेमिनार ग्रामीण स्वच्छता विषय पर आयोजित किया गया।

केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आरकेएस तोमर ने ग्रामीण स्वच्छता के महत्व के बारे में बताया कि स्वच्छता हमारे वातावरण को कहीं न कहीं प्रभावित कर रही है, जिससे जलवायु में परिवर्तन हो रहा है। बदलते जलवायु में किसानों को कम अवधि की किस्में उगाना होगा। बोआई का तरीका बदलना होगा जिससे धान की सीधी बोनी, गेहूं की सूखी बोनी, मेड़कलती पद्धति, चौड़ी क्यारी विधि को अपनाना होगा। फसलों में पानी देने का तरीका बदलना होगा, सिंचाई के लिए स्प्रिंकलर अथवा ड्रिप सिंचाई के उपयोग से बहोतरी लानी होगी। तभी किसानों को काफी हद तक राहत मिलेगी।

कार्यक्रम में कार्बन डाई ऑक्साइड का स्तर 290 पीपीएम से बढ़कर 400 पीपीएम है। इसी प्रकार मीथेन गैस का स्तर 1.8 पीपीएम है। जलवायु परिवर्तन के कारण तूफान, अधिक आकस्मिक वर्षा, अत्यधिक गर्मी, कहीं-कहीं बाढ़ के प्रकोप देखे जा रहे हैं।डॉ। आरएस यादव, प्रधान वैज्ञानिक केन्द्राध्यक्ष, केन्द्रीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, दतिया ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम को संबोधित कर बताया कि जलवायु परिवर्तन गरीब और अमीर में भेद नहीं करता है लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। अध्यक्षता कर रहे दिनेश उमरिया जिला समन्वयक, जन अभियान परिषद ने कहा कि जब तक लोगों की सोच में परिवर्तन नहीं आएगा तब तक स्वच्छ भारत की कल्पना करना कठिन है। व्यावहारिक जीवन पर खानपान, बैठने उठने, चलने फिरने, बात करने का तरीका सभी कुछ बदल गया है। यह सोशल वार्मिंग का हमारे जीवन पर प्रभाव है। व्यक्ति को जब तक शौचालय की आवश्यकता महसूस नहीं होती तब तक शौचालय नहीं बन सकते हैं। बिना पानी के स्वच्छता की कल्पना नहीं की जा सकती है। स्वच्छता अभियान की जिम्मेदारी सरकार की नहीं। डॉ. एसपी तिवारी, प्रधान वैज्ञानिक, केन्द्रीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, दतिया ने बताया कि ग्रामों की ज्यादातर भूमि में अतिक्रमण हो गया है। कचरा खाद के प्रबंधन एवं उर्वरक प्रबंधन। खेत खाली न रखें, मृदा कटाव को रोकें, पानी का संरक्षण मेड़बन्दी द्वारा करने से प्रदूषण को बचाया जा सकता है।

News paper coverage of the programme

Wednesday/ 26.10.2016	**Events: Sensitization** Training programme for rural youths **Theme:** Technology of compost making by the use of farm waste **Key Speaker:** Dr. B. S. Kasana, Scientist Agronomy **Venue:** KVK Datia **Type of Participants:** Scientist and Farmer's of Cluster demonstration **No. of Participants:** 53	• During the programme farmers were aware about the scientific technology of compost making by the use of farm organic waste. • They were also aware about the use of farm waste in their farming by adopting integrated farming system by which their farm waste was used in their production system and also help them in reducing cost of cultivation. • Awareness created about the vermin composting and marketing of compost for employment and income generation.
Parameters Covered: Bio degradable waste, identification of activity/ factor causing creation of dirt/ garbage, the system adapted to maintain periodical cleaning and monitoring of activity		

Interaction of Scientists and rural youth on compost making technique

Interaction of Scientists and rural youth on compost making technique

Thursday/ 27.10.2016	**Events:** Swachhata Railly of the students **Theme:** Rural Sanitation **Key Speaker:** Dr. Y.C. Rikhari, PA, Fisheries Shri Sharma, Head Master of Middle School, Sanora **Venue:** Govt. Middle school, Sanora **Type of Participants:** Scientist, teacher and Students. **No. of Participants:** 98	• Swachhata railly by the students and teachers of Primary and Middle school Sanora was organized under the programme to create awareness among villagers about cleaning in village. • Awareness was created about kitchen waste management, waste water management, hand wash before meal, use of latrines, use of washed clothes etc.
Parameter Covered: House keeping, cleanliness of office/ school buildings, class rooms, labs, campus, punctuality, regularity and discipline, Yoga/health/ positive thinking.		

Sensitization of students about cleanliness and sanitation

Students Railly in village

नईदुनिया 17
ग्वालियर, शनिवार 29 अक्टूबर 2016

सनोरा में छात्रों ने रैली निकाल कर ग्रामीणों का बताया सफाई का महत्व

दतिया। नईदुनिया न्यूज

कृषि विज्ञान केन्द्र, दतिया द्वारा स्वच्छ भारत अभियान पखवाड़ा के तहत मिडिल स्कूल सनौरा में ग्रामीण स्वच्छता के महत्व पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय के छात्रों ने ग्रामीण स्वच्छता के महत्व पर भाषण दिया। इसके उपरान्त विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने स्वच्छता पर शौचालय बनवाने पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केवीके के वैज्ञानिक डॉ. एके सिंह ने विद्यार्थियों को गंदगी से होने वाले संक्रमण रोगों के बारे में बताया व गलियों गंदी नालियों को साफ करने पर बल दिया। वैज्ञानिक वायसी रिखाड़ी ने गोबर व अन्य प्रक्षेत्र व्यर्थ पदार्थों को कम्पोस्ट बनाकर जैविक खाद बनाने के बारे में चर्चा की। बीपीएस परिहार ने कार्यक्रम का संचालन कर स्वच्छ भारत अभियान के बारे में विस्तार से बताया। इसके उपरांत विद्यालय से समस्त छात्र छात्राओं, अध्यापकों व वैज्ञानिकों ने सनौरा ग्राम में स्वच्छ भारत अभियान पर रैली निकाली, रैली के माध्यम से ग्रामीणों को नालियों की साफ सफाई व गोबर आदि कूड़ा करकट की सफाई करने के लिये जागरूक किया।

स्वच्छता के प्रति जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित वैज्ञानिक।

patrika.com
पत्रिका . ग्वालियर शनिवार . 29.10.2016

छात्रों को दी गंदगी से होने वाले संक्रमण रोगों की जानकारी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

दतिया. कृषि विज्ञान केन्द्र दतिया द्वारा स्वच्छ भारत अभियान पखवाड़ा के अंतर्गत गत दिवस शासकीय माध्यमिक विद्यालय सनौरा में ग्रामीण स्वच्छता के महत्व पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विज्ञान केन्द्र दतिया के वैज्ञानिक डॉ. एके सिंह ने की।

इस अवसर पर विद्यालय के अभिषेक भार्गव, उदय अहिरवार, अंकित, शिवानी अहिरवार, मुस्कान अहिरवार, अभिषेक अहिरवार एवं आयुष साहू ने ग्रामीण स्वच्छता के महत्व पर भाषण दिया। विद्यालय के प्राचार्य एवं अन्य शिक्षकगणों ने स्वच्छता पर शौचालय बनवाने आदि बातों पर जोर दिया। वहीं कृषि वैज्ञानिक डॉ. सिंह ने विद्यार्थियों को गंदगी से होने वाले संक्रमण रोगों के बारे में बताया व गलियों, गंदी नालियों को साफ करने पर बल दिया। वहीं केन्द्र के वैज्ञानिक वायसी रिखाड़ी ने गोबर व अन्य प्रक्षेत्र व्यर्थपदार्थों को कम्पोस्ट बनाकर जैविक खाद बनाने के बारे में चर्चा की। इसके पश्चात् छात्र-छात्राओं, अध्यापकों व वैज्ञानिकों ने गांव में स्वच्छ भारत अभियान पर रैली निकाली और रैली के माध्यम से ग्रामीणों को नालियों की साफ-सफाई व गोबर आदि कूड़ा करकट की सफाई करने के लिए जागरूक किया।

बच्चों को संबोधित करते अतिथि।

News Paper coverage of the programme

Friday/ 28.10.2016	**Events :** Rabi Phasal Sangosthi **Theme:** Importance of bio farming in Rabi crops **Key Speaker:** Dr. B. S. Kasana, Scientist, Agronomy **Venue:** Village Kalipura **Type of Participants:** Scientist, Farmers / Farm women, Sarpanch of the village **No. of Participants :** 67	During the programme awareness was created among the farmers to reduce the effect of Green House Gases • Stop burning of crop residue • Proper Maintenance of tractor and diesel pumps • Proper management of domestic animals and crop waste materials through making compost. • Integration of Organic manures with chemical fertilizers. Use of bio pesticide to control disease and pest.
Parameters Covered: Identification of activity/ factors causing creation of dirt/ garbage, After identification of the factor- the system adapted to maintain periodical cleaning, preventive measures taken and monitoring of practice, uses of eco-friendly technologies		

Sensitization of farmers about cleanliness and sanitation

patrika.com

पत्रिका . ग्वालियर : बुधवार, 02.11.2016

जैविक खेती को दें बढ़ावा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

दतिया. भारत स्वच्छता मिशन के तहत कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता के प्रति जागरुकता लाने के लिए निरंतर 16 से 30 अक्टूबर तक स्वच्छता अभियान विभिन्न ग्रामों में कार्यक्रम आयोजित किएगए। कार्यक्रम में विश्व खाद्य दिवस, मृदा स्वास्थ्य शिविर, फसल संगोष्ठी, कृषक संगोष्ठी, विद्यालयों में भाषण प्रतियोगिता, विद्यालयों के छात्रों के साथ गांव में स्वच्छता पर रैली, महिला समूह की बैठक आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में भारतीय कृषक अनुसंधान के केन्द्राध्यक्ष डॉ. आरएस यादव, वैज्ञानिक कृषि तकनीक अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान जबलपुर डॉ. तुशार अठारे, आरके गनेश उपसंचालक कृषि, दिनेश उमरेया जिला समन्वय जन अभियान परिषद, डॉ. एसपी तिवारी प्रधान वैज्ञानिक, एसके सिंह, जीएस गोरख, वैज्ञानिक डॉ. आरकेएस तोमर, डॉ. अवधेश सिंह, डॉ. एके सिंह, डॉ. बीएस कसाना, डॉ. वायसी रिखाड़ी एवं डॉ. सविता कुमारी ने भाग लिया। इस मौके पर कृषि एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों से कहा गया कि वह ग्रामीणों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करें। जैविक खेती को बढ़ावा दें। गांव में जैविक कचरा प्रबंधन के प्रति जागरुकता पैदा करें ताकि जैविक कचरे के सड़ने से हरित गृह प्रभाव गैसों का उत्सर्जन कम हो ताकि जलवायु परिवर्तन से विपरीत प्रभाव से फसल एवं पशुओं को बचाया जा सके।

गांव की गलियों में झाड़ू लगाते अधिकारी-कर्मचारी।

News paper coverage of the programme

Saturday/ 29.10.2016	**(1) Events :** Meeting with women of self help group of village **Theme:** Importance of village sanitation in surrounding area **Key Speaker:** Dr. Awdhesh Singh, Scientist, Agri Economics **Venue:** Village Mama Ka Dera **Type of Participants:** women of self help group, Farmers of village **No. of Participants :** 50	• During the programme a healthy discussion held among the scientists and women of self help group about cleaning of surrounding area of the home, safety of food materials, use of dung for compost making. • Awareness was created among the women to don't go for toilet in open area and use the latrines. Awareness created about the housekeeping cleanliness, child care, animal shed, home street and village
Parameter Covered: Management of Bio degradable waste, stop cow dung cake, use of bio gas, lesser use of plastics, maintain periodical cleaning and preventive measure taken to health and hazzards.		

Sensitization of members of Self Help Group about cleanliness and sanitation of Home Street and child care

दतियापत्रिका.10

patrika.com

बैठक.. पत्रिका . ग्वालियर . मंगलवार, 01.11.2016

स्वच्छता में सहयोग करें महिलाएं : डॉ. अवधेश

महिलाओं को संबोधित करती वैज्ञानिक।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

दतिया. कृषि विज्ञान केन्द्र दतिया द्वारा ग्राम मामा का डेरा में स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत महिला समूह की बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. अवधेश सिंह ने बताया कि प्रत्येक महिला को साफ व स्वच्छ रहना चाहिए। जिसका प्रभाव उनके बच्चों पर पड़ता है। शुबह नित्य क्रिया के उपरांत स्नान करें। बच्चों एवं स्वयं के नाखून छोटे रखें। बच्चों के बाल ज्यादा बड़े न रखें। घर की साफ-सफाई रखें, आंगन, दरवाजे पर, गली-मोहल्ले, पशुशाला की सफाई रखें। खुले में शौच न जाएं। इससे स्वास्थ्य अच्छा रहता है। गोबर और कचरे से कम्पोस्ट खाद बनाएं जिससे गांव की गंदगी दूर होती है। साथ ही मूल्यवान खाद प्राप्त होता है और फसलों की उपज बढ़ती है। इस प्रकार देश की स्वच्छता में हम सहयोग कर सकते है। वहीं डॉ. सविता कुमारी वैज्ञानिक महिला समूह की बैठक में जानकारी दी कि यदि आप स्वस्थ रहेगी तो मन स्वच्छ रहेगा और दैवीय शक्तियां साथ रहेगी तो पूरा परिवार खुश रहेगा। गंदगी से बीमारी फैलती है और एक व्यक्ति भी परिवार में बीमार रहता है तो पूरे परिवार को दुःख मिलता है। अतः अपने को स्वस्थ रखो एवं परिवार को सुखी रखो।

News paper coverage of the programme

Sunday/ 30.10.2016	**Events :** Cleanliness and sanitation campaign **Theme:** Cleanliness and sanitation **Key Speaker:** Dr. R.K.S. Tomar, Senior Scientist and Head, KVK, Datia **Venue:** Village Kakraua **Type of Participants:** Scientist, Farmers / Farm women, Sarpanch of the village **No. of Participants :** 42	During the programme awareness was created among the farmers – • Cleaning of holy places ritualistic places in village with KVK team to create awareness among the farmers about spreading the message of cleanliness and sanitation. • Spreading the message about healthiness by cleanliness in farmers.
Parameters Covered: House keeping, cleanliness of office/ school buildings, class rooms, labs, campus, punctuality, regularity and discipline, Yoga/health/ positive thinking.		

Sensitization of Farmers about cleanliness of village and surroundings

Work done by KVK on Swachchhta Abhiyan in previous months 2016

Tuesday/ 9.08.2016	**Events:** Swachhata Railly **Theme :** Rural Sanitation **Key Speaker:** Dr. Awdhesh Singh, Scientist, Agri Economics **Venue:** Chitwa **Type of Participants:** Scientist, teacher and Students. **No. of Participants:** 90	• Swachhata railly by the students and teachers of Primary and Middle school Sanora was organized under the programme to create awareness among villagers about cleaning in village. Awareness was created about kitchen waste management, waste water management, hand wash before meal, use of latrines, use of washed clothes etc.
Parameter Covered: House keeping, cleanliness of office/ school buildings, class rooms, labs, campus, punctuality, regularity and discipline, Yoga/health/ positive thinking.		

Swachhata Railly

News paper coverage of Railly in village

Sunday/ 2.10.2016	**Events:** Swachhata Diwas **Theme :** Raily on Rural Sanitation **Key Speaker:** Dr. R.K.S. Tomar, Senior Scientist and Head, Dr. Awdhesh Singh, Scientist, Agri Economics, Dr. K.K. Yadav, Scientist Horticulture **Venue:** Pathra **Type of Participants:** Scientist, teacher, Students and Farmers **No. of Participants:** 112	• Swachhata railly by the students and teachers of Primary and Middle school Sanora was organized under the programme to create awareness among villagers about cleaning in village. Awareness was created about kitchen waste management, waste water management, hand wash before meal, use of latrines, use of washed clothes etc.
Parameter Covered: House keeping, cleanliness of office/ school buildings, class rooms, labs, campus, punctuality, regularity and discipline, Yoga/health/ positive thinking.		

Swachhata Railly on 02.10.2016

Swachhata Diwas Celebration

16 नईदुनिया
ग्वालियर, मंगलवार 04 अक्टूबर 2016

रैली निकालकर किया जनजागरण

दतिया। नईदुनिया न्यूज

कृषि विज्ञान केन्द्र ने ग्राम पठरा में स्वच्छता दिवस पर ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने स्कूली बच्चों की रैली का आयोजन किया।

रैली में मिडिल व प्राइमरी स्कूल के सभी छात्र-छात्राएं शामिल हुए। केवीके के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. आरकेएस तोमर ने कहा कि ग्रामीण घूरा कचरा सड़ाकर कम्पोस्ट खाद तैयार करें। जानवरों को स्वच्छ पानी पिलाएं। तालाब के पानी पीने से जानवरों को बीमारी होगी और उसके दूध के सेवन से बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। स्वच्छता के लिए जरूरी है कि शौच के लिए घर में शौचालय बनाकर उसका उपयोग करें। गोबर कचरा से गोबर गैस तैयार करें। घरों में चूल्हा जो लकड़ी गोबर के उपले से जलाकर खाना तैयार करते हैं उसकी जगह गोबर गैस से खाना बनाने से महिलाओं की आंखें खराब नहीं होगी। कार्यक्रम में किसानों ने खेती से सम्बन्धित प्रश्न पूछे, जिनका वैज्ञानिक ने उत्तर दिए। कुछ किसानों ने धान में गंधीबग, दहलनी फसलों में उकठा रोग एवं गेहूं की नवीन किस्मों के बारे में जानकारी चाही जिसका समाधान तुरन्त वहीं किया गया। कार्यक्रम में केवीके के वैज्ञानिक डॉ. केके यादव, डॉ. अवधेश सिंह एवं डॉ. सविता कुमारी, मिडिल स्कूल के प्रधानाचार्य राजेश कतरौलिया, अध्यापक शिवकुमार सोनी, रामसहाय गुर्जर एवं अर्चना जाटव तथा शा.प्रा. स्कूल से राकेश कुमार गुप्ता तथा छात्र-छात्राएं उपस्थिति रही।

स्वच्छता जागरूकता रैली निकालते स्कूली बच्चे।